शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 02 जनवरी 2023

काव्यांजलि

1777

दिन सोमवार

पाठ- 1

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- इतिहास

इस्लाम का भारत में आगमन

समता और समानता का बन्धुत्व,
इस्लाम धर्म बताता है।
कलमा, नमाज, रोजा, जकात,
और हज को अनिवार्य बताता है।।

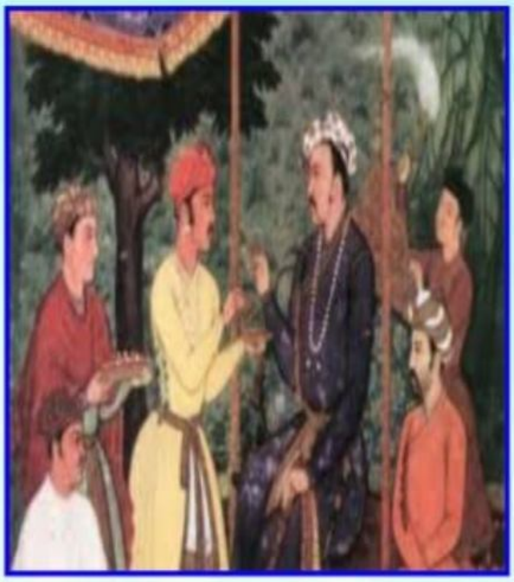

मोहम्मद साहब इस्लाम धर्म के,
सबसे पहले संस्थापक माने गये।
धीरे-धीरे उनके अनुयायी पूरे देश में,
इस्लाम धर्म को फैलाते गये।।

अरब देश से लोग व्यापार हेतु,
दूसरे देशों में आते-जाते।
इस्लाम धर्म को मानने वाले,
भक्त सूफी, सन्त कहलाते।।

अरब व्यापारी भारत के पश्चिम तट पर,
छोटी-छोटी बस्तियों में रहने लगे।
वहाँ आस-पास रहने वाले लोग,
इस्लाम धर्म से परिचित होने लगे।।

शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 03 जनवरी 2023

काव्यांजलि 1778

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय:- इतिहास पाठ-1

यूरोपीय शक्तियों का आगमन

तर्ज - जियें तो जियें कैसे

यूरोपियों का आगमन , बताए तुम्हे
आये ये कैसे भारत, बताएँ तुम्हे
यूरोपियों.......

प्रथम मार्ग था समुद्री फारस की खाड़ी से,
आना जाना मुश्किल था गाड़ी से,
दूसरा मार्ग था, लाल सागर से
अलेक्जेंड्रिया था आना जहाँ से
यूरोपियों का.....।।

तीसरा था जो मार्ग, मध्य एशिया से था,
एशिया से मिस्त्र , फिर यूरोप से था,
इटली ने इसका फायदा उठाया,
व्यापार अपना खूब बढ़ाया,
यूरोपियों का .....।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढाये

दिनांक 04/01/2023

काव्यांजलि
1779

दिन बुधवार

पाठ- 2

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-7, विषय- विज्ञान

रेशों से वस्त्र तक

हो जाते जब बाल भेड़ पर,
करते रेशों की है कटाई।
होता अभिमार्जन फिर उनका,
निकले धूल, गर्त, चिकनाई।।

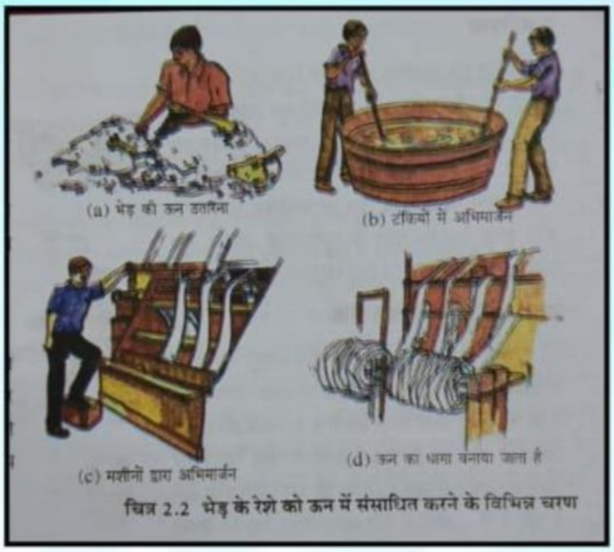

चित्र 2.2 भेड़ के रेशे को ऊन में संसाधित करने के विभिन्न चरण

लम्बे, चिकने, हल्केपन पर,
होती है फिर इनकी छँटाई।
छोटे, कोमल, फूले रेशों की,
ऊन के रूप में होती कताई।।

काले-भूरे बाल भेड़ के,
बेरंग ऊन न मन को भायी।
भिन्न-भिन्न रंगों से फिर,
होती रेशों की है रंगाई।।

उलझे रेशों को सुलझा कर,
धागे रूप में दें वो दिखाई।
रंग-बिरंगी ऊन से होती,
फिर ऊनी वस्त्रों की बुनाई।।

रचना- नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

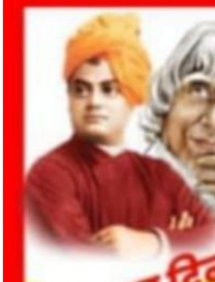

दिनांक
05.01.2023

काव्यांजलि
1780

दिन
गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- हमारे आदर्श

पाठ-5

महाभारत काल के महर्षि

(भाग-01 महर्षि वेदव्यास)

सब ग्रन्थों में ग्रन्थ महान,
नाम "महाभारत" कहलाया।
जिसके रचयिता वेदव्यास जी,
जिनमें तप और ज्ञान समाया।।

पिता पाराशर, माँ सत्यवती का,
वेदव्यास जी ने बढ़ाया कुल।
जन-जन में जो व्याप्त कालिमा,
उसे देख थे महर्षि व्याकुल।।

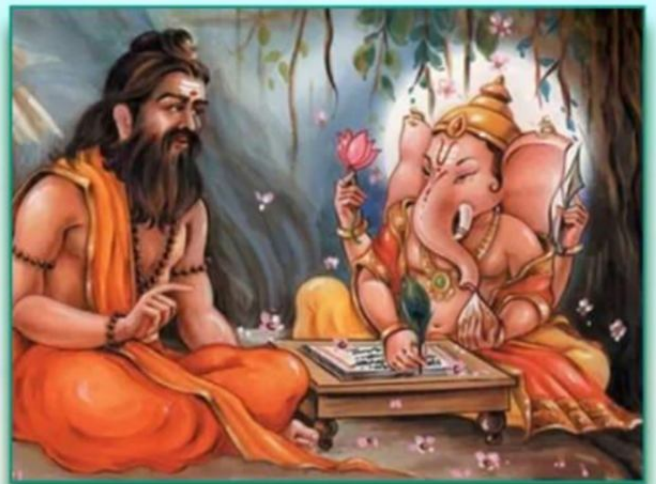

पर्व अट्ठारह इस महाकाव्य में,
जनमंगल की छिपी कामना।
लिखा इसे भगवान गणेश ने,
इसमें समाहित भक्ति भावना।।

सुख-दुःख चक्र, कर्तव्य का पालन,
गाया गया पुरुषार्थ स्वभाव।
त्याग, तपोबल और सत्यव्रत,
जन कल्याण का प्रादुर्भाव।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें
9458278429
बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

दिनांक 06/01/2023

काव्यांजलि

1781

दिन शुक्रवार

पाठ- 1

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4 विषय- फुलवारी (हिन्दी)

हे जग के स्वामी

हे प्रभु हम सब मिलकर,
गीत तुम्हारे गाते हैं।
आप ही इस धरती पर,
नित नया सवेरा लाते हैं।।

सुबह सूरज की किरणों से,
सारी सृष्टि जगमगाती है।
रात में चन्द्रमा की किरणें,
धरती पर शीतलता लाती है।।

प्रकृति के कण-कण में,
आप प्रभु सुंदरता भरते हैं।
नभ, जल, थल का,
आप प्रभु श्रृंगार करते हैं।।

हमारे जीवन में भी प्रभु,
ज्ञान का प्रकाश भर देना।
हम चले सदा नेक राह पर,
प्रभु अपनी कृपा कर देना।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
कानपुर देहात

दिनांक 07 जनवरी 2023

काव्यांजलि

1782

दिन शनिवार

पाठ- 01

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

हमारा सौरमंडल (भाग-1)

खगोलीय पिण्ड

आकाश में सूर्य, चन्द्रमा,
तारे दिखते हैं।
आकाशीय पिण्ड इनको,
हम सब कहते हैं।।

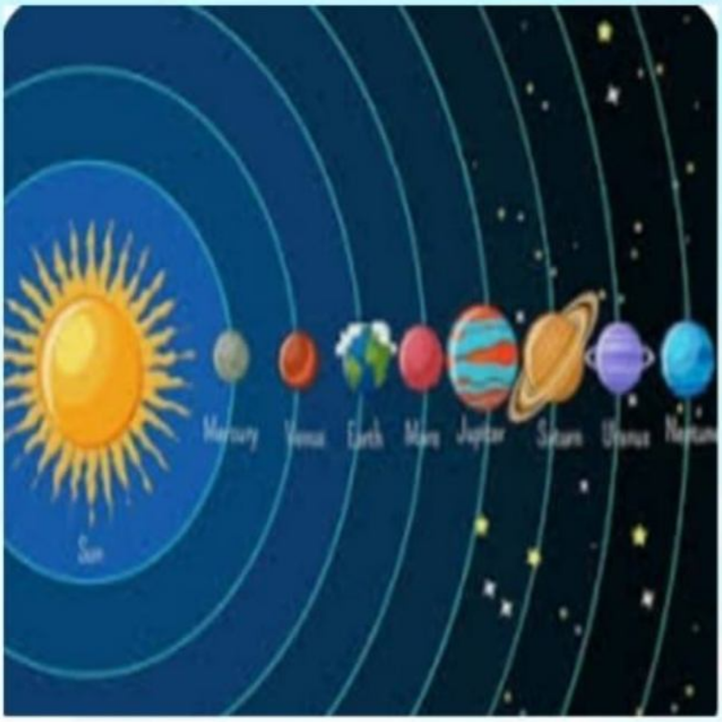

कहें खगोलीय पिण्ड भी इनको,
आओ इनको जानें।
सेलेस्टियल बॉडी अंग्रेजी में,
कह कर पहचानें।।

ऊष्मा और प्रकाश को देते,
आसमान के तारे।
गर्म गैस के बने ये गोले,
जानो इनको प्यारे।।

पृथ्वी के सबसे नजदीक जो,
सूर्य भी है एक तारा।
टेलिस्कोप से दिखे हमें तारों,
का भव्य नजारा।।

अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

दिनांक
09.01.2023

काव्यांजलि
1783

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 2, विषय- हिन्दी (किसलय)

पाठ- 17 (भाग-02)

हमारे सहयोगी

जब हम होते हैं बीमार,
डॉक्टर हमको देते आराम।
झट इंजेक्शन हमें लगाये,
हाय-हाय कर हम चिल्लायें।।

लड्डू ,पेड़ा, रस मलाई,
दही, जलेबी हमने खायी।
खोया, चीनी, दूध, मलाई,
मिला बनाता मिठाई हलवाई।।

कुर्सी, मेज, श्यामपट्ट बनाता,
पढ़ने के जो काम में आता।
लकड़ी से हर सामान बनाता,
बढ़ई इसका नाम कहाता।।

रचना
शीबा नाज़ अंसारी (प्र०अ०)
प्रा० वि० बैसनपुरवा
वि० क्षे० बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

दिनांक 10.01.2023

काव्यांजलि

1784

दिन- मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 07 विषय- गृह शिल्प पाठ -11

गृह प्रबन्ध

घर लगे सुन्दर व साफ,
गन्दगी ना हो आस-पास।
हर चीज का हो सही प्रबन्ध,
तभी है अच्छा गृह प्रबन्ध।।

खटमल, मच्छर पनपे न जहाँ,
बीमारियों का बसेरा न हो वहाँ।
बचाव का सही सुरक्षित हो प्रबन्ध,
तब जानो अच्छा है गृह-प्रबन्ध।।

खर्चो का नियमित हो हिसाब,
उसकी बनी हो नियमित किताब।
आय- व्यय का सही हो प्रबन्ध,
तब जानो अच्छा है गृह-प्रबन्ध।।

सभी सदस्य कार्यो में दे सहयोग,
समय का भी करे सदा सदुपयोग।
उन सबके बीच हो अच्छे सम्बन्ध,
तब जानो अच्छा है गृह-प्रबन्ध।।

रचना- इला सिंह (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० पनेरुवा (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 11 जनवरी 2023

काव्यांजलि 1785

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1

विषय- कलरव

तर्ज़- चौपाई

वर्णमाला गीत

अ से अजगर मोटा ताजा,
आ से आज बुलाये राजा।
इ से इतराना ना प्यारे
ई से ईश्वर के गुण गा रे।।

अ आ इ ई
उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ
अं अः

उ से उजाला सूर्य से पायें,
ऊ से ऊँट सैर कराये।
ऋ से ऋषि की कुटिया खाली,
जोर से बच्चों बजाओ ताली।।

ए से एक मँगाया केक,
ऐ से ऐनक पहन के देख।
ओ से ओला गिर गया सिर पर,
औ से औषधि बनाओ घर पर।।

अं से अंग की रखो सफाई,
अः ने चुप-चुप करी पढ़ाई।
आओ बच्चों गाओ गाना,
वर्णमाला तुमको सिखाना।।

मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 12/01/2023

काव्यांजलि

1786

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा -08

विषय- महान व्यक्तित्व

पाठ-23

सन्त गाडगे बाबा

बिना पुस्तक पढ़ें रहे न कोई बच्चा,
कितनी भी आर्थिक तंगी हो घर में।
संत गाडगे बाबा कहते जिनको,
23 फरवरी 1876 को जन्मे महाराष्ट्र में।

झिंगुरा जी जाणोरकर बाबा का नाम पूरा,
माँ के साथ गाँव में कठिन परिश्रम करते।
आर्थिक तंगी में रहकर किया गुजारा,
मित्र मंडली में जाकर ईश भजन करते।।

बंजर जमीन को उपजाऊ बना दिया,
साहूकार ने धोखे से वह जमीन हड़प लिया।
अशिक्षित होने का यह फल बाबा को मिला,
बाबा को यह घटना बहुत आहत किया।।

सबको शिक्षित यह बहुत प्रचार किया,
मांस मदिरा और अशिक्षा से सब दूर रहें।
प्रेम से सबको यह समझाने का प्रयास किया,
शिक्षा के खातिर सैकड़ों स्कूल बनवाते रहे।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
13 जनवरी
2023

काव्यांजलि
1787

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- कृषि विज्ञान

इकाई- 03

प्राकृतिक आपदाएँ (तूफान)

घरों के छप्पर उड़ जाते हैं,
व्यापक हो नुकसान,
टूट जायें बिजली के खम्बे,
जब आये तूफान।।

आँधी से भी तेज हवाएँ,
कहलाती हैं तूफान।
115 किलोमीटर/घण्टे
इसकी गति लो जान।।

स्थल पर आए तो कहते,
स्थलीय तूफान।
और समुद्र पर चक्रवात बन,
कहलाये चक्रवाती तूफान।।

चक्रवाती तूफान के कारण,
वर्षा होती है।
इसी के लहरों के संग मिलते,
सीप, शंख, दुर्लभ मोती हैं।।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें | 9458278429 | बेसिक शिक्षा का मान बढायें

दिनांक 14/01/2023

काव्यांजलि
1788

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 08, विषय- गणित

अभ्यास- 18(a)

समलम्ब चतुर्भुज

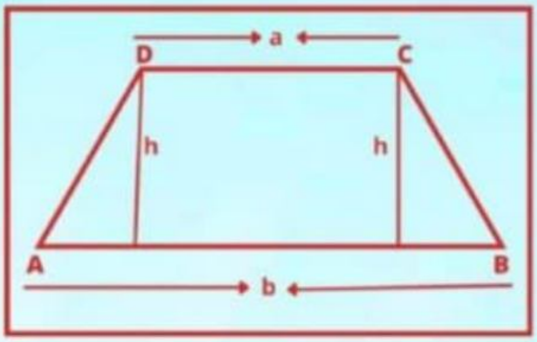

सम्मुख भुजाओं का एक युग्म ही,
जब समान्तर होता है।
प्यारे बच्चों! वह चतुर्भुज,
तब समलम्ब होता है।।

समान्तर भुजाओं में से ही,
किसी एक को आधार लेते हैं।
इनके बीच की दूरी को,
ऊँचाई समलम्ब की मान लेते हैं।।

दो समान समलम्बों से,
मिलकर बने समान्तर चतुर्भुज।
विकर्ण बाँटे समलम्ब को,
मिलेंगे तब हमें त्रिभुज।।

समलम्ब आकार का क्षेत्रफल,
जब भी हो ज्ञात करना।
समान्तर भुजाओं के योग और ऊँचाई,
का गुणा कर आधा करना।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0- जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 16 जनवरी 2023

काव्यांजलि 1789

दिन सोमवार

पाठ- 2

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- इतिहास

सल्तनत काल की शुरुआत

तराइन के द्वितीय युद्ध में,
पृथ्वीराज चौहान पराजय पाये थे।
तभी दिल्ली में तुर्क शासक,
अपना राज्य स्थापित करने आये थे।।

मुहम्मद गौरी की जब मृत्यु हुई,
कुतुबुद्दीन उत्तर भारत का शासक बना।
कुतुबुद्दीन ऐबक ने भारत में कई,
मशहूर भवन का निमार्ण करा।।

इल्तुतमिश ने कुतुबुद्दीन के बाद,
उत्तरी भारत का राज्य सम्भाला था।
महिला शासक राजिया सुल्तान,
गद्दी पर बैठी उनका कार्य भी आला था।।

राजिया सुल्तान का शासन करना,
वहाँ के लोगों को न मन भाया था।
नसिरूद्दीन को सुल्तान बना,
षड़यन्त्र से राजिया को गद्दी से उतारा था।।

बलबन जब गद्दी पर बैठे,
दिल्ली में महत्वपूर्ण काम किया।
बाहरी आक्रमणकारियों मंगोल,
चंगेज खाँ पूरे भारत में राज किया।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि०- भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
17 जनवरी
2023

काव्यांजलि
1790

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय:- इतिहास
पाठ-1

यूरोपीय शक्तियों का आगमन

तर्ज - जियें तो जियें कैसे

सोने की चिड़िया था भारत,
जिसपे हुई फिर से महाभारत।
यूरोपीय देशों के नाम बताएँ,
आने का तुम्हें क्रम पढाएँ।।

पुर्तगाल और अंग्रेज,
सबसे पहले आये।
भारत में अलग-अलग,
फैक्ट्री थे लगाये।।

डच और फ्रांस देश,
पीछे-पीछे आये।
व्यापार करने की सब,
अनुमति थे पाये।।

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
18/01/2023

काव्यांजलि
1791

दिन
बुधवार

पाठ-19

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-1, विषय- कलरव

मापन

पिता की दुकान पर फातिमा,
बँटा रही है हाथ।
आकर किसान माँगे रस्सी,
रस्सी माँगे पाँच हाथ।।

बैठी-बैठी सोचे फातिमा,
ऐसे भी क्या होती नाप?
पूछे पिता से भोली बेटी,
हाथ से कैसे लम्बाई की नाप?

लम्बाई नापें कई तरह से,
पिता ने बेटी को समझाया।
बड़े प्यार से फिर उन्होंने,
बेटी को मापन समझाया।।

छोटी-छोटी दूरी नापें,
अंगुल और बालिश्त के द्वारा।
थोड़ी बड़ी दूरी को हम,
नापें हाथ, कदम के द्वारा।।

रचना- नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौलीकलां, एटा

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढायें

दिनांक 19-01-2023

काव्यांजलि
1792

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान

इकाई- 8 (जन्तु की संरचना व कार्य) भाग-1

मानव शरीर रचना (कोशिका से अंग तंत्र)

मानव शरीर रचना को,
आओ हम जान लें।
हैं कितने अंग-तन्त्र,
देखकर पहचान लें।।

जीवों में शरीर संगठन का,
सीखें बात खास ये।
कोशिका शरीर निर्माण की सबसे,
छोटी इकाई है जान लें।।

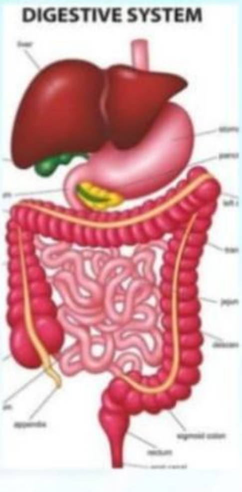

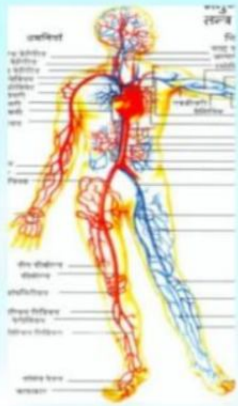

कोशिकाओं से ऊतक बनता,
ऊतक मिलकर अंग बने।
अंगों से बनता अंग-तन्त्र,
अंग-तन्त्रों से शरीर आकार ले।।

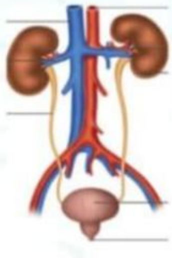

तन्त्र, पेशीय, तन्त्रिका, परिसंचरण,
पाचन, श्वसन और उत्सर्जन।
कार्य सबके अलग-अलग हैं,
आओ यह गूढ़ ज्ञान लें।।

रचना:-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

दिनांक
20/01/2023

काव्यांजलि
1793

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 3

कक्षा- 4 विषय- फुलवारी (हिन्दी)

जब मैं पढ़ता था

आओ बच्चों तुम्हें सुनाएँ,
एक महापुरुष की कहानी।
कहते उनको प्यार से बापू,
प्रेरणा देती उनकी कहानी।।

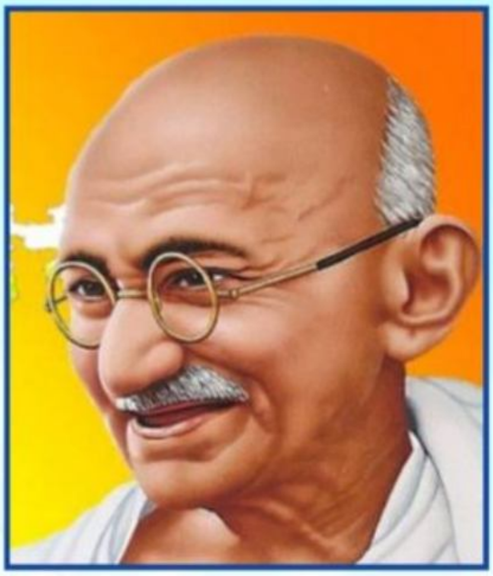

2 अक्टूबर 1869 पोरबन्दर में,
जन्में महात्मा गाँधी।
बचपन से ही सत्य राह पर,
चल पड़े थे महात्मा गाँधी।।

सत्य और अहिंसा को अपने,
जीवन का अंग बनाया।
अनुशासन का पाठ आपने,
हर भारतीय को पढ़ाया।।

देश को आजाद करा कर,
राष्ट्रपिता की उपाधि पायी।
जीवन के अन्तिम क्षण तक,
सबको सत्य की राह दिखायी।।

रचना- मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान — मिशन शिक्षण संवाद — शिक्षक का सम्मान।

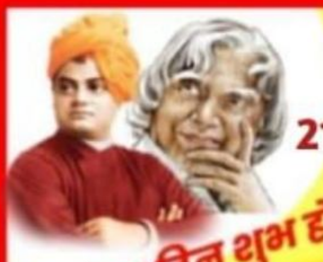

दिनांक 21 जनवरी 2023

काव्यांजलि

1794

दिन शनिवार

पाठ- 01

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)

हमारा सौरमंडल (भाग-2)

नक्षत्र मण्डल

रात में तारों के समूह की,
दिखतीं जो आकृतियाँ।
कान्स्टेलेशन कहते हैं,
अट्ठासी इनकी संख्या।।

नक्षत्र मण्डल भी कहते,
हम इन आकृतियों को।
ओरियन, ग्रेट डॉग, बिग बीयर,
सप्तर्षि मण्डल को।।

प्राचीनकाल से उत्तर दिशा का,
ज्ञान है होता जिनसे।
ध्रुवतारा, सप्तर्षि मण्डल,
नभ में हैं जो दिखते।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें — 9458278429 — बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 23 जनवरी 2023

काव्यांजलि

1795

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- अंग्रेजी

ARTICLE

सुनो! सुनाएँ A, An,The की कहानी,
इनको Article कहते सब ज्ञानी।

A

जब स्वर से हो शुरुआत, एक अर्थ में An लगाना।
जब हो व्यंजन की आवाज, वहाँ एक अर्थ में A लगाना।।

हम बतलाएँ The की कहानी,
इनको Article कहते सब ज्ञानी।

जब हो संज्ञा की बात पहली बार, A और An वहाँ लगाना।
परन्तु जब हो उसी की बात दोबारा, पुनः पुनः The है लगाना।।

An

जब हो निश्चित व्यक्ति, वस्तु या स्थान,
वहाँ भी देना The को फिर सम्मान।
नदी, पहाड़, समुद्र या हो दिशाओं की बात,
धर्मग्रन्थ, नक्षत्र, या फ़िर ऐतिहासिक इमारतों की बात।।

The

किसी देश के हो निवासी,
या superlative degree दे दिखाई।
The को देना है स्थान
भूल न जाना रखना ध्यान।।

ये है A, An, The की कहानी,
Article नाम से तुम सब ने जानी।।

रचना-
वन्दना यादव (स०अ०)
EMCS लोढ़वारा
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 24 जनवरी 2023

काव्यांजलि

1796

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान

इकाई- 8, (जन्तु की संरचना व कार्य) भाग- 2

मानव शरीर रचना (कोशिका से अंग तन्त्र

मुख्य अंग श्वसन के फेफड़े,
परिसंचरण का है हृदय।
लीवर, पाचन अंग मजबूत रहें,
मुख्य अंग उत्सर्जन के वृक्क ये।।

ढाँचा शरीर का कंकाल तन्त्र से,
गति शरीर की इसके बल से।
कोमल अंग सुरक्षित पसलियों से,
फेफड़ों की सुरक्षा का ध्यान दे।।

माध्यम जनन तन्त्र नव जीव का,
मस्तिष्क से सोच विचार है।
हृदय की धड़कन से जीवन है,
जीवन को हम सँवार लें।।

नियमित दिनचर्या अपनाएँ,
फास्ट-फूड, धूम्रपान से दूर रहें।
लीवर, वृक्क रहे सुरक्षित,
पूर्ण सन्तुलित आहार लें।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि०ख०- चोपन, जनपद- सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 25 जनवरी 2023

काव्यांजलि

1798

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

इकाई- 01

कक्षा- 8, विषय- पृथ्वी और हमारा जीवन

संसाधन...

तर्ज़- आने से जिसके आये बहार..

संसाधनों से आए बहार,
संसाधनों बिन जाए बहार।
बड़े महत्वपूर्ण है, संसाधन हमारे,
बड़े महत्वपूर्ण है, संसाधन हमारे।।

प्रकृति से मिलते हैं,
जैसे जल, वन मिट्टी सभी को।
सूर्य का प्रकाश लाए,
जीवन में उजाला सभी को।।

खनिजों का है भण्डार,
बड़े महत्वपूर्ण है,
संसाधन हमारे।।

घर, सड़क और पुल,
मानव ने किए हैं निर्मित।
अरे! मानव ने दुनिया में,
बनाये संसाधन बहुत।।

खुशियों का है संसार,
खुशियों का है संसार।
संसाधन हमारे....

रचना-
नीलम सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रतनगढ़ी
ब्लॉक- हाथरस, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।
आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान | **मिशन शिक्षण संवाद** | शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 26.01.2023

काव्यांजलि

1799

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- हमारे आदर्श

पाठ-5

महाभारत काल के महर्षि

(भाग-02, महर्षि सुपंच सुदर्शन)

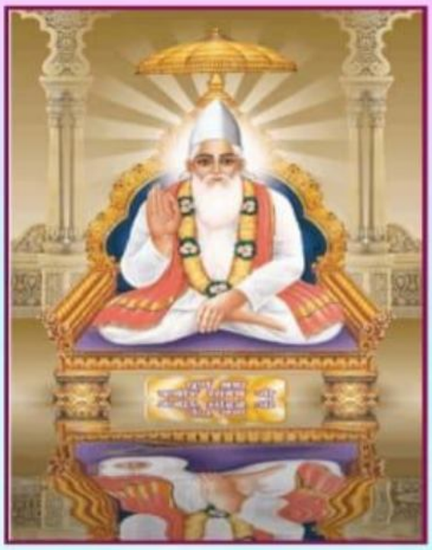

महाभारत कालीन प्रसिद्ध महर्षि,
सुपंच सुदर्शन जिनका नाम।
आचार्य करुणामय जिनके गुरु,
दिया आध्यात्म, नीति का ज्ञान।।

बचपन से ही लीन भक्ति में,
भजन, कीर्तन करते रहते।
विद्या प्राप्ति के बाद महर्षि,
भक्ति, सत्य की खोज थे करते।।

उच्च कोटि के सन्त सुपंच थे,
शिक्षाएँ उनकी थी महान।
बुद्धि और बल, रूप, सौन्दर्य का,
नहीं करो तुम कभी अभिमान।।

डरे नहीं मानव से मानव,
सांसारिक सुखों का त्याग।
ईश्वर से डरो, रखो सुरक्षित,
अपने स्वाभिमान की आग।।

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
क्षेत्र- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें | 9458278429 | बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
27 जनवरी
2023

काव्यांजलि

1800

दिन
शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8, विषय- कृषि विज्ञान

इकाई- 04, पशुपालन

मुर्गियों की नस्लें..

प्लाईमाउथ रॉक, मिनोरका, ब्रह्मा, लेगहॉर्न।
चारों मुर्गी की नस्लें हैं,बच्चों लो पहचान।।

कलगी मटर के पत्ती जैसी, पीला चमड़ी का रंग।
ब्रह्मा के टखने पर होते, छोटे-छोटे पंख।।

प्लाईमाउथ रॉक का रंग, पीला-पीला होता।
एकल कलगी पायी जाती, अण्डे का रंग भूरा होता।।

लेग हॉर्न का रंग है पीला,
अण्डे का रंग सफेद।
एकल व बहुखण्डित कलगी,
अन्तर इसमें देख।।

टखना गहरे सिलेटी रंग का, चमड़ी का रंग सफेद।
कलगी एकल बहुखण्डित हो, मिनोरका में यह भेद।।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र0अ0)
उ0 प्रा0 वि0 चित्रवार
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें

दिनांक 28/01/2023

काव्यांजलि
1801

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 08, विषय- गणित

अभ्यास- 18(d)

बेलन (भाग-१)

आयत को उसकी एक भुजा के,
परित: जब घुमाते हैं।
प्यारे बच्चों! तब जाकर हम,
ठोस लम्बवृत्तीय बेलन पाते हैं।।

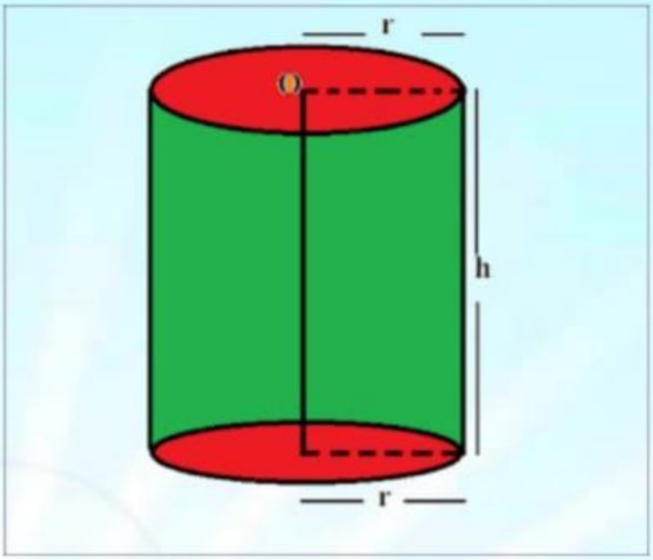

जिस भुजा के चारों ओर,
घुमाकर बेलन हम पाए।
वही भुजा होगी ऊँचाई,
दूसरी परिधि बन जाए।।

इस प्रकार बेलन में हम,
एक वक्र पृष्ठ पाते हैं।
और वृत्ताकार रूप में दो,
समतल पृष्ठ बन जाते हैं।।

बेलन के आयतन का सूत्र,
क्षेत्रफल×ऊँचाई से निकालना।
πr^2 होगा आधार का क्षेत्रफल,
गुणा इसी में h से करना।।

रचना- ज्योति विश्वकर्मा (स0अ0)
उ0 प्रा0 वि0- जारी-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
30 जनवरी
2023

काव्यांजलि
1802

दिन
सोमवार

पाठ- 01

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6

विषय- भूगोल (पृथ्वी और हमारा जीवन)
हमारा सौरमंडल (भाग-3)
सौरमंडल

सूर्य, आठ ग्रह इनके उपग्रह,
अन्य खगोलीय पिण्ड।
क्षुद्र ग्रह- पुच्छल तारा,
एवं उल्कापिण्ड।।

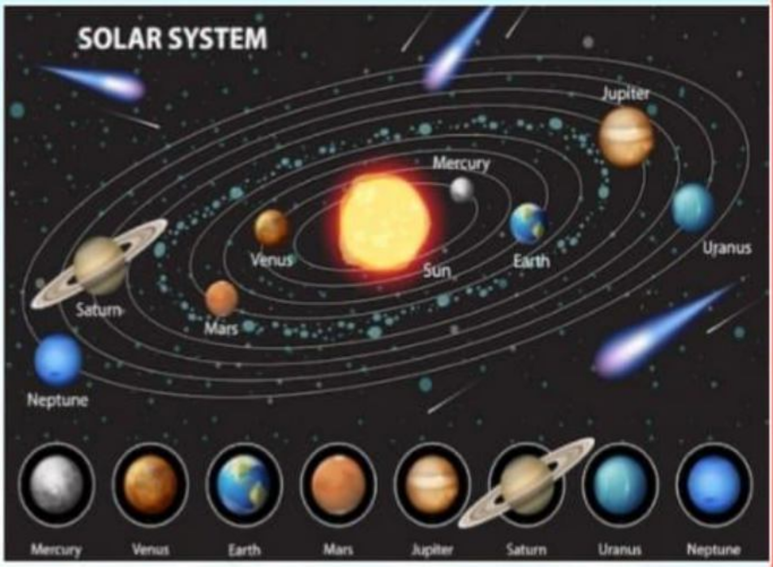

सौरमंडल का निर्माण करें,
ये सब साथ में मिलकर।
सौरपरिवार भी कहलाता है,
जानो यह सौरमंडल।।

मुखिया सूर्य है सौरपरिवार का,
सौरमंडल के केन्द्र में।
सभी सदस्य करते परिक्रमा,
खिंचाव बल जो सूर्य में।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स० अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें 9458278429 बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाये

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
31 जनवरी
2023

काव्यांजलि
1803

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- इतिहास

पाठ-2

पाषाण काल....

आओ! इतिहास तुम्हें बतलाऊँ,
पाषाण काल से परिचय कराऊँ।
पाषाण युग था पत्थर का काल,
पुरा, मध्य और नव इसके भाग।।

पुरा काल मे मानव फल खाता,
खुले आकाश के नीचे वह सोता।
इस युग मे सीखा आग जलाना,
पत्थर के साथ औजार बनाना।।

मध्य काल मे थोड़ी समझ आयी,
जमीन पर उसने घास उगायी।
कुत्ते को उसने पालतू पशु बनाया,
छोटे उपकरणों का प्रयोग आया।।

नव काल मे हुआ और विकास,
खेती-बाड़ी की जगी एक आस।
पहिए का किया उसने आविष्कार,
जिससे विकास हुआ और साकार।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा,
क्षेत्र- अमौली, जनपद- फतेहपुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें
9458278429
बेसिक शिक्षा का मान बढायें